Literacy for a Billion

Movie: Betaab
Year: 1983

Song: Baadal Yun Garajta Hai
Lyricist: Anand Bakshi

बादल यूँ गरजता है
डर कुछ ऐसा लगता है
बादल यूँ गरजता है
डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

बादल यूँ गरजता है
डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

बाहर भी तूफ़ान
अन्दर भी तूफ़ान
बीच में दो तूफ़ानों के
ये शीशे का मकान

बाहर भी तूफ़ान
अन्दर भी तूफ़ान
बीच में दो तूफ़ानों के
ये शीशे का मकान

ऐसे दिल धड़कता है
अरे ऐसे दिल धड़कता है

डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

ये दीवानी शाम
ये तूफ़ानी शाम
आग बरसती है सावन में
पानी का है नाम

ये दीवानी शाम
ये तूफ़ानी शाम
आग बरसती है सावन में
पानी का है नाम

बस कुछ भी हो सकता है
अरे बस कुछ भी हो सकता है

डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

तौबा हुस्ने यार
बदले रँग हज़ार
शर्म कभी आती है
और कभी आता है प्यार

तौबा हुस्ने यार
बदले रँग हज़ार
शर्म कभी आती है

और कभी आता है प्यार

देखें कौन ठहरता है
अरे देखें कौन ठहरता है

डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

तुम बैठो उस पार
हम बैठें इस पार
आओ अपने बीच बना लें
हम कोई दीवार

दिल फिर भी मिल सकता है
ओ दिल फिर भी मिल सकता है

डर कुछ ऐसा लगता है
चमक चमक के
लपक के
ये बिजली हमपे गिर जाएगी

बादल यूँ गरजता है
डर कुछ ऐसा लगता है
हा हा हा ...
ला ला ला ...
ला ला ला ...
हूँ हूँ हूँ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.